an>

Title: Demand for CBI probe in Etah hooch tragedy in Uttar Pradesh.

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) (एटा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शुन्य काल में बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आज मैं एक बहुत ही गंभीर विषय पर आपका और सदन का समय लेना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी मांग एक मिनट में रखें।

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) : कृपया आप मुझे दो मिनट ज्यादा समय दें।

माननीय अध्यक्ष : आप बोलना शुरू कीजिए।

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) : जनपद ऐटा में अलीगंज एक विधान सभा आती है, 18 जुलाई को वहां हमारी पार्टी की ओर से सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल मेरी अध्यक्षता में गया था। जिनमें से माननीय मुकेश जी सांसद, फर्रुखाबाद, माननीय रमाशंकर कठेरिया जी, सांसद आगरा, माननीय अशोक कुमार दोहरे जी, सांसद, इटावा और देवेन्द्र भोले जी हैं। वहां सात लोगों की संसदीय समीति गई।

वहां का गंभीर मामला यह है कि चार-पांच दिनों में 50 लोगों की जहरीली शराब पीने के कारण मौत हो गई है, लगभग 150 लोग अस्पताल में भर्ती हैं, 50-60 लोगों की आंखों की रोशनी जा चुकी है और जो 200 लोग भर्ती हैं, उनकी किडनी खराब हो चुकी है। ईश्वर उनको लंबी उम्र दे, लेकिन इसकी संभावना कम है। जिस तरह से देसी शराब और अंग्रेजी शराब की दुकानें होती हैं, उसी प्रकार वहां चार प्राइवेट डिस्टिलरी कहना चाहिए, जहां कम से कम 20,000 लीटर नकली देसी शराब बनाई जाती है। माननीय नेताजी, श्री मुलायम सिंह जी यहां होते तो मैं उनसे भी बात करता, ... *पुलिस का इतना आतंक है कि वहां पर कोई भी आदमी बोलने को तैयार नहीं है। जब मैं वहां जा कर लोगों से मिला, लोगों से पूछा कि क्या-क्या घटनायें हुई तो एक भी व्यक्ति मुंह खोलने के लिए तैयार नहीं था। मुझे लगा कि आजाद भारत में क्या कोई ऐसा भी स्थान है।...(व्यवधान)

मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि आबकारी विभाग माननीय मुख्यमंत्री जी के पास है। इनके अधिकारी भी इसमें सस्पेंड हुए हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एलिगेशन नहीं, आप अपनी डिमांड रखिए।

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) : वे सस्पेंड नहीं होने चाहिए बल्कि उन लोगों पर 302 का मुकदमा चलना चाहिए। यह मेरी मांग है।

माननीय अध्यक्ष : श्री चंद्रकांत खैरे जी।

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) : मैडम जी, मैं अपनी पूरी बात सदन में नहीं रख पाया। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हम ने आपको मांग रखने का मौका दिया तो आप अपनी मांग रखें। कृपया आप अपनी बात जल्दी पूरा कीजिए।

श्री राजवीर सिंह (राजू भैया) : अध्यक्ष महोदया, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है, हमें उत्तर प्रदेश सरकार से उम्मीद नहीं है कि हमें न्याय मिलेगा, इसलिए हम चाहते हैं कि इसकी जांच सी.बी.आई.-सी.आई.डी. से जांच हो, यह रिकमेंड करें। ...(व्यवधान) धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भोला सिंह, श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजवीर सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।